♦ **उपर्युक्त विशेषताओं के आधार पर इब्राहिम अली के चरित्र पर टिप्पणी करें।**

മേൽപറഞ്ഞ സവിശേഷതകളുടെ അടിസ്ഥാനത്തിൽ ഇബ്രാഹിം അലിയുടെ സ്വഭാവത്തെക്കുറിച്ച് എഴുതാം.

इब्राहिम अली

वे एक सच्चे देशप्रेमी थे। वे हमारे देश को स्वतंत्र कराने के संग्रामों में सभी लोगों को एकत्रित करके, जुलूस चलाकर अंग्रेज़ों के विरुद्ध आवाज़ उठाते हैं। इस संग्राम के दौरान वे सभी पीड़ाएँ चुपचाप सहकर आगे बढ़ते हैं। स्वराज्य की प्रधानता के बारे में सब लोगों को समझा-बुझाकर और आपसी झगड़ा रोककर एक अच्छे नेता के रूप में वे कार्य करते हैं। गाँधीजी के अनुयायी के रूप में अहिंसा पर बल देकर वे जुलूस चलाते हैं और संग्राम चलाते हैं। गाँधीजी के समान वे भी 'करने या मरने' पर विश्वास रखनेवाले हैं। अंग्रेज़ों की धमकियों ने उनपर कोई प्रभाव न डाला। इसलिए वे बीरबल सिंह से कहते हैं 'आप बेटन चलाएँ दारोगाजी।' देश में शांति स्थापित करने में भी वे ध्यान रखते हैं। इसलिए चोट की थकावट की परवाह न कर वे स्वराजियों के पास चलते हैं। सभी स्वराजियों के मन में देश के प्रति श्रद्धा उत्पन्न कराने में वे सफल हुए।